



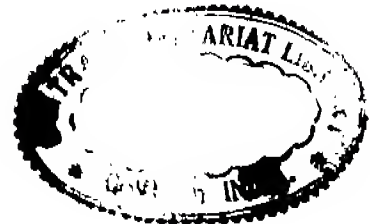
# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 5]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 26, 1979/ज्याइस्था 5, 1901

No. 5]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 26, 1979/JYAISTHA 5, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलन संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण

### प्रवृत्तना

नई दिल्ली, 18 मई, 1979

सं० सचिवालय 101/3/79.—भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण, अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 38 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 37 की उपधारा (2) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ तथा लागू होना :— (1) इन विनियमों का नाम भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (यात्रा भत्ता एवं दैनिक भत्ता) विनियम, 1979 है।

(2) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(3) ये विनियम, प्रतिनियुक्तों सहित प्राधिकरण के सभी कर्मचारियों को लागू होंगे।

2. परिभाषाएं :— इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा प्रवेक्षित न हो :—

(क) "नियंत्रक अधिकारी" से अध्यक्ष, सदस्य अथवा अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है;

(ख) "कर्मचारी" से प्राधिकरण का कोई पूर्णकालिक कर्मचारी अभिप्रेत है;

(ग) "कुटुम्ब" से, यथास्थिति, कर्मचारी की पत्नी अथवा पति, जो उसके साथ निवास करता/करती हो, तथा श्रम संतान,

जो पूर्णतः कर्मचारी पर आश्रित हो, जिसमें सीतेली संतान और वस्तु संतान शामिल है (यदि उस कर्मचारी की स्वीय विधि के अधीन वस्तु-ग्रहण इस प्रकार वैध रूप से माय्यता-प्राप्त हो कि उस वस्तु संतान को नैसर्गिक संतान की प्राप्ति-प्रवृत्त होती हो) अभिप्रेत है, तथा इसमें कर्मचारी के माता-पिता, बहनें और भाई भी हैं जो पूर्णतः कर्मचारी पर आश्रित हों तथा उसके साथ निवास करते हों;

(घ) "मुख्यालय" से कर्मचारी की ड्यूटी का सामान्य स्थान अथवा अध्यक्ष, किसी सदस्य या अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट स्थान अभिप्रेत है;

(ङ) "वेतन" से वेतन, विशेष वेतन, मंहवाई वेतन तथा इन विनियमों के प्रयोजनार्थ वेतन के रूप में वर्गीकृत अन्य उपलब्धियां अभिप्रेत हैं;

(च) "अस्थायी स्थानांतरण" से किसी कर्मचारी का उसके मुख्यालय से 90 दिन से अधिक अवधि के लिए ड्यूटी के किसी अन्य स्थान को स्थानांतरण अभिप्रेत है;

(छ) "बीरे" से किसी कर्मचारी द्वारा अपने मुख्यालय नगर से निज किसी स्थान पर निष्पादित सरकारी ड्यूटी अभिप्रेत है तथा इसमें प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षण या अन्य प्रायोजित यात्रा शामिल है।

## 3. यात्रा भत्ते तथा दैनिक भत्ते की दरें :—

इन विनियमों में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, इन विनियमों के अधीन देय यात्रा तथा दैनिक भत्ते की दरें वही होंगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए अधिसूचित की गयी हैं।

## 4. बीरे के समय यात्रा भत्ते की अनुज्ञेयता :—

किसी कर्मचारी को बीरे पर, यात्रा भत्ता, जैसा विनियम 5 से 9 तक में उपबन्धित है, उसके अनुसार अनुज्ञेय होगा।

## 5. रेल से यात्रा :—

- (1) कोई कर्मचारी सर्वाधिक छोटे मार्ग से रेल किराए (जिसमें रेल किराए पर लगाया गया कर, यदि कोई हो, शामिल है) की प्रतिपूर्ति का निम्नलिखित यात्रा श्रेणी के अनुसार हकदार होगा :—

2250 रु० तथा इससे अधिक पाने वाले कर्मचारी	वातानुकूलित प्रथम श्रेणी
425 रु० तथा इससे अधिक पाने वाले कर्मचारी	प्रथम श्रेणी
425 से कम पाने वाले कर्मचारी	द्वितीय श्रेणी

टिप्पण :— जब यात्रा व्यक्तिगत कारणों से चित्र किन्हीं कारणों से प्रथम अपने नियंत्रण से बाहर के कारणों से रद्द करती पड़े तब, कर्मचारी या यात्रा के रद्दकरण के प्रभारों की प्रतिपूर्ति की जा सकता है।

- (2) यदि कोई कर्मचारी उस श्रेणी से, जिसका कि वह हकदार है, नीचे की श्रेणी में यात्रा करता है तो उसे वास्तविक किराए की प्रतिपूर्ति ही की जाएगी।
- (3) किसी कर्मचारी को, जो द्वितीय श्रेणी में यात्रा का हकदार है, रेल किराए के अतिरिक्त भारवाहन प्रभारों तथा जलयानों के प्रभारों की (रात की यात्रा के लिए), यदि उसके द्वारा वास्तव में कोई उपगत किए गए हों तो, प्रतिपूर्ति भी की जाएगी।

## 6. विमान द्वारा यात्रा :—

- (1) 1800-2000 तथा इससे अधिक वेतनमान के अधिकारी (निदेशक तथा उनके उच्च अधिकारी), स्वविवेकानुसार, विमान से यात्रा कर सकते हैं;

परन्तु अध्यक्ष द्वारा या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी सदस्य द्वारा, उनके लिए लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से, किसी अन्य कर्मचारी को विमान द्वारा यात्रा करने की अनुमति दी जा सकती है।

- (2) कर्मचारी, विमान यात्रा के लिए खरीदे गए विमान टिकटों पर उद्गृहीत विमान यात्रा-कर, यदि कोई हो, की प्रतिपूर्ति का हकदार होगा।

## 7. सड़क द्वारा यात्रा :]

- (1) कर्मचारी द्वारा केवल उन्हीं स्थानों के बीच सड़क से यात्रा की जा सकती है जो रेल से जुड़े न हों, रेल से जुड़े हुए स्थानों के बीच सड़क से यात्रा की जाने की दशा में कर्मचारी उस श्रेणी के, जिसका वह हकदार है, रेल किराए अथवा उसके द्वारा उपगत वास्तविक व्यय, जो भी कम हो, की प्रतिपूर्ति का हकदार होगा।

- (2) असाधारण मामलों में, जहाँ नियंत्रक अधिकारी किसी कर्मचारी को रेल से जुड़े स्थानों में सड़क द्वारा यात्रा की अनुमति दे दे, कर्मचारी विनियम 8 के अनुसार सड़क मील-भत्ते की प्रतिपूर्ति का हकदार होगा।

## 8. मील भत्ता :

- (1) कोई कर्मचारी सड़क द्वारा की गयी यात्राओं के लिए विनियम 3 के अनुसार अवधारित की जाने वाली दरों पर मील-भत्ते का हकदार होगा।
- (2) बीरे पर जाते समय तथा वहाँ से वापसी के समय कोई कर्मचारी यथान्वित, अपने निवास/पड़ाव के स्थान से रेलवे स्टेशन या विमानपत्तन के बीच की जाने वाली यात्रा के लिए, यदि इसके लिए उसे प्राधिकरण के व्यय पर भवारी प्रदान नहीं की गयी है तो उप विनियम (1) के अधीन मील-भत्ते का हकदार होगा :—

परन्तु नियंत्रक अधिकारी, लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से, संबंधित व्यक्ति को कष्ट से बचाने की दृष्टि से उपगत वास्तविक व्यय की प्रतिपूर्ति की मंजूरी दे सकता है।

- (3) बीरे के समय, पड़ाव के दौरान कर्मचारी, यदि उसे कार्यालय की ओर से कोई वाहन प्रदान न किया गया हो तो, पड़ाव के स्थान पर की गयी कार्यालय से संबंधित यात्राओं के लिए वाहनों पर किए गए वास्तविक खर्च की प्रतिपूर्ति का हकदार होगा, किन्तु 7 दिन से अधिक निरन्तर पड़ाव में, एक समय में किसी एक स्टेशन पर अधिकतम व्यय 100 रुपये तक किया जा सकेगा। अध्यक्ष द्वारा असाधारण मामलों में 100 रुपये की सीमा को 200 रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। बाहर के स्टेशन पर 7 दिन से अधिक पड़ाव होने की दशा में, यथा स्थिति 100 से 200 रुपये की सीमा को, प्रागुपातिक रूप से बढ़ाया जा सकता है।

## 9. दैनिक भत्ता :—

- (1) कर्मचारी, क्रमशः विनियम 5, 6 और 8 के अनुसार रेल किराए, विमान किराए तथा सड़क मील-भत्ते के अतिरिक्त, मुख्यालय से उस सम्पूर्ण अनुपस्थिति के लिए दैनिक भत्ते का हकदार होगा जो मुख्यालय से प्रस्थान करने से प्रारंभ होकर वापस आने पर समाप्त होती है जिससे कि मार्ग में दुप्रा व्यय तथा बाहर के स्टेशनों पर ठहरने का व्यय किया जा सके।
- (2) अनुपस्थिति के प्रत्येक पूर्ण कैलेंडर दिन के लिए, जो अर्द्ध-रात्रि से अर्द्ध-रात्रि तक माना जाएगा, पूर्ण दैनिक भत्ता अनुज्ञेय होगा। मुख्यालय से 24 घंटे से कम की अनुपस्थिति के लिए दैनिक भत्ता निम्नलिखित दरों पर अनुज्ञेय होगा :—

1. यदि मुख्यालय से अनुपस्थिति 6 घंटे से अधिक नहीं है तो 30 प्रतिशत
2. यदि मुख्यालय से अनुपस्थिति 6 घंटे से अधिक किन्तु 12 घंटे से अधिक नहीं है तो 50 प्रतिशत
3. यदि मुख्यालय से अनुपस्थिति 12 घंटे से अधिक है तो पूर्ण भत्ता

यदि मुख्यालय से अनुपस्थिति की अवधि दो कैलेंडर दिनों तक रहती है तो इसे दो दिन की अनुपस्थिति माना जाएगा तथा प्रत्येक दिन के लिए दैनिक भत्ते का आकलन उपर्युक्त व्यवस्था के अनुसार किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्यालय से प्रस्थान तथा आगमन के दिनों के लिए भी दैनिक भत्ते का विनियमन तदनुसार किया जाएगा।

- (3) दैनिक-भत्ते की दरें विनियम 3 के अनुसार अवधारित की जाएंगी।

- (4) निम्नलिखित शर्तों में दैनिक भत्ते का हक निम्नलिखित रूप प्रवर्धित किया जाएगा :

(क) जब कर्मचारी को निःशुल्क आहार एवं आवास दिया जाए...  
..... दैनिक भत्ते का 1/4

(ख) जब उसे निःशुल्क आहार दिया जाए.....  
..... दैनिक भत्ते का 1/2

(ग) जब उसे केवल निःशुल्क आवास दिया जाए.....  
..... दैनिक भत्ते का 3/4

- (5) यात्रा में व्यतीत अवधि के लिए दैनिक भत्ता केवल साधारण दरों पर अनुज्ञेय होगा। यदि इस अवधि में किसी ऐसे स्टेशन पर रुकने का समय भी शामिल है जहाँ के लिए दैनिक भत्ते की उच्चतर दर अनुज्ञेय है तो ऐसे स्टेशनों पर ठहरने की अवधि के लिए उप-विनियम (4) के अनुसार उन स्टेशनों पर लागू उच्चतर दर के आधार पर आकलित दैनिक भत्ता दिया जाएगा। शेष अवधि के लिए दैनिक भत्ता सामान्य दरों पर अनुज्ञेय होगा।

- (6) अस्थायी स्थानान्तरण अवधि के समय, एक स्टेशन पर ही ठहरने पर 30 दिन के लिए पूर्ण दैनिक भत्ता अनुज्ञेय होगा तथा इसके पश्चात्, अध्यक्ष अथवा किसी सदस्य अथवा अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किए गए किसी अधिकारी की मंजूरी से, प्राप्ति दरों पर अनुज्ञेय होगा। 90 दिन के बाद कोई दैनिक भत्ता अनुज्ञेय नहीं होगा। किन्तु शिक्षा और प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भेजे गए कर्मचारियों के मामलों में, अध्यक्ष उसके लिए लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से, 90 दिन के बाद, 180 दिन की अवधि के लिए प्राप्ति दर पर दैनिक भत्ते का संवाय अनुज्ञात कर सकता है।

- (10) स्थानान्तरण पर यात्रा-भत्ता :

किसी एक स्थान से दूसरे स्थान को स्थानान्तरण होने पर कोई कर्मचारी, यदि प्राधिकारी द्वारा उसे उसकी प्रार्थना के बिना स्थानान्तरित किया गया हो तो, यात्रा भत्ता ले सकता है।

- (11) स्थानान्तरण पर यात्रा :-

- (1) कोई कर्मचारी अपने लिए तथा अपने कुटुम्ब के लिए, रेल की जिस श्रेणी का वह हकदार है उसका, अथवा दौरे के समय जो परिवहन-साधन उसके लिए अनुज्ञेय है उनका, वास्तविक किराया लेने का हकदार होगा।
- (2) कोई कर्मचारी, जो कि दौरे पर विमान द्वारा यात्रा के लिए प्राधिकृत हो, स्थानान्तरण के समय विमान से यात्रा करने पर, अपने तथा अपने कुटुम्ब के सदस्यों के लिए वास्तव में उपगत किया गया विमान किराया लेने का हकदार है।
- (3) कोई कर्मचारी, यात्रा की अवधि के लिए अपने तथा अपने कुटुम्ब के प्रत्येक सदस्य के लिए, उतना दैनिक भत्ता भी लेने का हकदार होगा। जितना कि वह दौरे पर लेने का हकदार है। 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए दैनिक भत्ता प्राधिक दरों की प्राप्ति दर पर संवेय होगा।
- (4) कोई कर्मचारी, अपना सामान, निम्नलिखित अधिकतम सीमा तक, रेल अथवा परिवहन के अन्य साधनों से ले जाने के लिए, वास्तविक परिवहन व्यय पाने का हकदार होगा :-

कर्मचारी की श्रेणी	यदि कुटुम्ब नहीं है तो	यदि कुटुम्ब है तो
1000 रु० या अधिक	2000 कि० ग्रा०	पूरा माल डिब्बा
650 रु० किन्तु 1000 रु० से कम	1000 कि० ग्रा०	3000 कि० ग्रा०
330 रु० किन्तु 650 रु० से कम	750 कि० ग्रा०	1500 कि० ग्रा०
330 रु० से कम	250 कि० ग्रा०	600 कि० ग्रा०

परन्तु अध्यक्ष, विशेष मामलों में, उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें, लेखबद्ध करके, उपर्युक्त मानदण्ड को विधिल कर सकता है।

- (5) कोई कर्मचारी, अपने वाहन के "अपनी जोखिम पर" परिवहन के वास्तविक व्यय को, निम्नलिखित मानदण्डों पर लेने का हकदार होगा, परन्तु यह तब तक-

(क) तय की गई दूरी 150 कि० मी० से अधिक हो;

(ख) कर्मचारी किसी ऐसे पथ का भार संभालने जा रहा हो जिस पर अपना वाहन होना उसकी दक्षता की दृष्टि से लाभदायक हो; तथा

(ग) वाहन को वस्तुतः रेल अथवा अन्य परिवहन साधनों द्वारा ले जाया गया हो।

कर्मचारी की श्रेणी	अनुज्ञात मानदण्ड
वेतन 650 रु० तथा अधिक	एक मोटर कार अथवा मोटर साइकिल/स्कूटर या साइकिल
वेतन 330 रु० तथा अधिक	एक मोटर साइकिल/स्कूटर या साइकिल
अन्य कर्मचारी	एक साधारण साइकिल

जब किसी कर्मचारी को अपनी मोटर कार या मोटर साइकिल/स्कूटर/रेल द्वारा ले जाने के लिए प्राधिकृत किया जाता है तब वह उसे अपनी इच्छा से यात्री गाड़ी अथवा माल-गाड़ी से ले जा सकता है। यात्री-गाड़ी की दशा में, कर्मचारी रेल द्वारा प्रभारित वास्तविक भाड़ा ले सकता है तथा माल-गाड़ी की दशा में, अर्थात् यदि मोटर-कार अथवा मोटर-साइकिल अथवा स्कूटर को माल-गाड़ी से भेजा जाए तो, कर्मचारी, रेल द्वारा प्रभारित माल-भाड़े के अतिरिक्त, पैकिंग की लागत तथा पैक की हुई मोटर-कार या मोटर-साइकिल या स्कूटर को माल-बोर्ड तक, तथा वहाँ से प्रस्थान स्टेशन तक और वहाँ से आगमन स्टेशन तक की परिवहन-लागत ले सकता है, परन्तु सी जाने वाली कुल राशि, रेल द्वारा, कार या मोटर-साइकिल की यात्री गाड़ी से परिवहन करने के लिए प्रभारित भाड़े से अधिक नहीं होगी।

- (6) वह, उप विनियम (4) में विहित सीमाओं के भीतर, निजी सामान के परिवहन के लिए यात्री-गाड़ी द्वारा सामान के परिवहन पर प्राप्ति वास्तविक लागत उस सीमा तक लेने का हकदार होगा, जो लागत अधिकतम किलोग्राम का सामान माल-गाड़ी से ले जाने पर उसके लिए अनुज्ञेय हुई होती। यदि कोई कर्मचारी रेल द्वारा जुड़े स्टेशनों के बीच निजी सामान सड़क अथवा विमान से ले जाता है तो वह वास्तविक व्यय उस सीमा तक लेने का हकदार होगा जितना उसे माल-गाड़ी द्वारा सामान को अनुज्ञेय अधिकतम मात्रा से ले जाने पर मिला होगा।

- (7) स्थानान्तरण होने पर कोई कर्मचारी विनियम 3 के अधीन अवधारित किया जाने वाला एकमुश्त स्थानान्तरण-अनुदान प्राप्त करने का हकदार होगा।

12. निम्नलिखित के दौरान अथवा गवाही देने या प्रदालत में जाने अथवा अनुशासनिक कार्यवाहियों के सम्बन्ध में की जाने वाली यात्राओं के लिए यात्रा भत्ता :—

(1) किसी निम्नलिखित कर्मचारी को, जिसे कि (पुलिस जाँच से भिन्न) विभागीय जाँच-पड़ताल में उपस्थित होने के लिए यात्रा करनी पड़े, वीरे पर कां गयी यात्रा के समान, मुख्यालय से विभागीय जाँच-स्थल तक अथवा उस स्थान से, जहाँ पर कि उसे निम्नलिखित अवधि के दौरान रहने की अनुमति दी गयी है, जाँच-स्थल तक, जो भी कम हो; यात्रा भत्ते की अनुमति दी जा सकती है। ऐसे मामलों में यात्रा भत्ते का विनियमन उस श्रेणी द्वारा किया जाएगा जिसमें कर्मचारी निम्नलिखित से पूर्व था। किन्तु यदि वह जाँच किसी बाहर के स्टेशन पर, कर्मचारी के अपने अनुरोध पर की जाती है तो उसे कोई यात्रा भत्ता अनुज्ञेय नहीं होगा।

(2) निम्नलिखित उपबन्ध गवाही देने के लिए बुलाए गए किसी भी कर्मचारी को लागू होंगे :

(क) किसी अपराधिक मामले में, सैनिक न्यायालय के समक्ष के किसी मामले में, किसी सिविल मामले में, जिसमें कि प्राधिकरण एक पक्ष हो, अथवा उचित रूप से गठित किसी प्राधिकारी द्वारा की जाने वाली विभागीय जाँच में जाने की दशा में, न्यायालय अथवा जिस प्राधिकारी ने उसे समनित किया हो, उससे प्राप्त उपस्थिति प्रमाण-पत्र अपने बिल के साथ संलग्न करके, वह, वीरे पर यात्रा के समान ही, यात्रा-भत्ता लेने का हकदार होगा, परन्तु यह तब जब वे तब्य, जिनके बारे में कर्मचारी को साक्ष्य देना है, अपने शासकीय कर्तव्यों का निर्वाह करते समय ही उसकी जानकारी में आए हों।

(ख) जब वह ऐसा यात्रा-भत्ता प्राप्त करे तब न्यायालय अथवा किसी अन्य प्राधिकारी से अपने व्यय के संबंध में कोई संभाव्य स्वीकार न करे।

(ग) यदि वह न्यायालय, जिसमें उसने गवाही दी है, कर्मचारी के मुख्यालय वाले नगर में स्थित है तथा यात्रा के लिए कोई यात्रा-भत्ता अनुज्ञेय नहीं है तो वह, यदि स्थायी यात्रा भत्ता प्राप्त नहीं कर रहा है तो, न्यायालय द्वारा दिए जाने वाले वास्तविक यात्रा-व्यय को स्वीकार कर सकता है।

(घ) प्राधिकरण का कोई कर्मचारी, जिसे छुट्टी पर होने की दशा में गवाही देने के लिए समनित किया गया हो, इस विनियम के अधीन, उसे जिस स्थान से बुलाया गया है, वहाँ से दोनों ओर का यात्रा-भत्ता उसी प्रकार प्राप्त करने का हकदार है मानो वह कर्तव्य पर रहा हो।

(3) किसी कर्मचारी द्वारा, उसके विरुद्ध संस्थित अनुशासनिक कार्यवाहियों के संबंध में, अपनी प्रतिरक्षा की तैयारी करने के लिए सरकारी अभिलेखों के परिशीलन के लिए बाहर के स्टेशन को की गयी यात्रा के लिए, वह कर्मचारी, किसी वीरे पर की गयी ऐसी यात्रा के समान ही जिसमें कि पड़कों के लिए कोई भत्ता अनुज्ञेय नहीं होगा, यात्रा भत्ता प्राप्त करने का हकदार होगा।

यदि अनुशासनिक कार्यवाहियों में अन्तर्भावित कर्मचारी पूर्णतः निर्दोष सिद्ध हो जाए तो उसे पड़कों के लिए मिलने वाला भत्ता भी संवेद्य होगा।

(4) प्रतिरक्षा सहायक, जिसे अनुशासनिक कार्यवाहियों में अथवा वीरे पर सहायता करने के लिए अनुज्ञात किया गया हो, वीरे पर यात्रा-भत्ते का भी हकदार होगा।

13. सेवा निवृत्ति/मृत्यु पर स्थानान्तरण यात्रा भत्ता :

(1) सेवा निवृत्त हो रहे कर्मचारी को स्थानान्तरण यात्रा-भत्ता, जिसमें स्थानान्तरण अनुदान तथा आकस्मिक व्यय सम्मिलित है, उसी पर अनुज्ञेय होगा जिस दर पर, वह सेवा कर रहे कर्मचारी को स्थानान्तरण होने पर लागू होता है। यदि कर्मचारी के प्राधिकरण की सेवा में होने के समय उसके द्वारा बाह्य का रखा जाना लोकाहित में माना गया था तो कर्मचारी को सेवा-निवृत्ति के समय उसे इस बाह्य को आवास के लिए चुने गए स्थान तक ले जाने के लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए। सेवा-निवृत्त हो रहे कर्मचारी को उसके चुने हुए स्थान में बसने की स्वतन्त्रता है तथा तबनुसार उसे स्थानान्तरण यात्रा-भत्ता अनुज्ञेय होगा परन्तु यह भत्ता उतनी राशि तक सीमित रहेगा जितनी कि उसे उसके नगर जाने के लिए अनुज्ञेय होती।

(2) उपर्युक्त रियायत उस कर्मचारी के कुटुम्ब को भी अनुज्ञेय होगी जिसकी प्राधिकरण की सेवा में रहते हुए मृत्यु हो गयी हो।

14. बाबों का प्रस्तुतीकरण :—

यदि यात्रा पूरी होने की तारीख से एक वर्ष के भीतर वह बाबा, जिसका यात्रा से संबंध है, संबंधित कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जाता तो कर्मचारी का यात्रा-भत्ते का अधिकार, जिसमें दैनिक भत्ता शामिल है, समग्रतः अथवा कर्मचारी द्वारा परित्यक्त किया गया समझा जाएगा।

15. अग्रिम धनराशि :—

(1) निर्यत्रक प्राधिकारी द्वारा यात्रा-भत्ते के लिए अग्रिम धन की मंजूरी दी जा सकती है किन्तु यह धन, यात्रा भत्ते की उस राशि से अधिक नहीं होगा जिसका कि कर्मचारी अपने वीरे अथवा स्थानान्तरण के परिणामस्वरूप हकदार हो सकता है।

(2) साधारणतया, किसी कर्मचारी को इसका अग्रिम तब तक मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि वह पहले लिए गए अग्रिम का हिसाब न दे दे।

16. कर्मचारियों को उनके मुख्यालयों पर, जिसमें अस्थायी ब्यूटी स्टेशन सम्मिलित है, सवारी प्रचारों की प्रतिपूर्ति :—

मुख्यालय पर यात्राओं के लिए जिसमें अस्थायी ब्यूटी स्टेशन शामिल हैं, विनियम 8 के अधीन मील-भत्ता अनुज्ञेय होगा। किन्तु निर्यत्रक प्राधिकारी, उसके लिए जो कारण है, उन्हें लेखबद्ध करके, सम्बद्ध व्यक्ति को, कष्ट से बचाने की दृष्टि से, उपगत वास्तविक व्यय की प्रतिपूर्ति की मंजूरी दे सकता है।

17. सवारी भत्ता :—

प्राधिकरण, उन शर्तों पर, जिन्हें वह ठीक समझे किसी कर्मचारी अथवा कर्मचारियों के किसी वर्ग को, जिन्हें मुख्यालय पर अपनी ब्यूटी के सिलसिले में काफी यात्रा करनी पड़ती हो, प्रतिमाह कोई निम्नलिखित सवारी-भत्ता अनुज्ञात कर सकता है। यह भत्ता मुख्यालय नगर में की जाने वाली यात्राओं के लिए मिलने वाले अन्य सभी यात्रा भत्तों के अन्तर्गत में होगा।

18. निर्वचन :—

यदि इन विनियमों के निर्वचन के बारे में कोई प्रश्न उठता है तो मामले को विनिश्चय के लिए अध्यक्ष को निर्दिष्ट किया जायेगा जो उसका विनिश्चय करेगा।



19. आकस्मिकताएँ जो इन विनियमों के अन्तर्गत न आती हों :—

यदि कोई आकस्मिकता इन विनियमों के अन्तर्गत नहीं आ पाई है तो शायद की केन्द्रीय सरकार के तत्सम आदेशों के आधार पर तय किया जा सकती है।

बी० एस० दास, अध्यक्ष

New Delhi, the 18th May, 1979

#### NOTIFICATION

No. Sectt. 101/3/79.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 37 read with sub-section (2) of section 38 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971), the International Airports Authority of India with the previous approval of the Central Government hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title, commencement and application:—(1) These regulations may be called the International Airports Authority of India (Travelling Allowance and Daily Allowance) Regulations, 1979.

(2) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) These regulations shall apply to all the employees of the Authority including deputationists.

2. Definitions:—In these regulations, unless the context requires otherwise,

- (a) "controlling officer" means the Chairman, any Member or any officer authorised in this behalf by the Chairman;
- (b) "employee" means a whole-time employee of the Authority;
- (c) "family" means an employee's wife or husband as the case may be, residing with the employee and legitimate children, including step children and adopted children (if, under the personal law applicable to the employee, adoption is legally recognised as conferring on the child so adopted the status of a natural child), wholly dependent on the employee, parents, brothers and sisters residing with, and wholly dependent upon, the employee;
- (d) "headquarters" means the normal place of duty of an employee or such place as may be specified by Chairman, any Member or any officer authorised by the Chairman in this behalf;
- (e) "pay" means pay, special pay, dearness pay and other emoluments classed as pay for the purpose of these regulations;
- (f) "temporary transfer" means transfer of an employee from his headquarters to another place of duty for a period not exceeding 90 days;
- (g) "tour" means official duty performed by an employee at a place other than at his headquarters city and included journey on training or study sponsored by the Authority.

3. Rates of travelling allowance and daily allowance.—The rates of travelling allowance and daily allowance payable under these regulations shall except as otherwise provided in these regulations be the same as notified by the Central Government in respect of its employees.

4. Admissibility of travelling allowance on tour.—Travelling allowance on tour shall be admissible to any employee as hereunder provided in regulations 5 to 9.

5. Journey by rail.—(1) The employee shall be entitled to reimbursement of rail fare (including tax on rail fare levied, if any) by the shortest route by the class of accommodation as given below :—

Employees drawing Rs. 2250 and above.

=ACC 1st Class.

Employees drawing Rs. 425 and above.

=1st Class

Employees drawing below Rs. 425

=2nd Class.

NOTE: The employee may be reimbursed cancellation charges where the journey had to be cancelled for reasons other than personal or beyond his control.

(2) If the journey is performed by an employee by a class lower than his entitled class, he shall be reimbursed the actual fare.

(3) In addition to the rail fare, an employee entitled to travel by second class shall also be reimbursed reservation charges and charges for sleeper (for night journey), if any, actually incurred by him.

6. Journey by air:—(1) The officers in the scale of Rs. 1800-2000 and above (Directors and above) may, at their discretion travel by air :

Provided that the Chairman or any Member authorised by him in this behalf may, for reasons to be recorded in writing, permit any other employee to travel by air.

(2) The employee shall be entitled to reimbursement of air travel tax if any, levied on air tickets purchased for air journey.

7. Journey by road:—(1) Journeys by road may be performed by an employee only between places not connected by rail. In case of journeys by road between places connected by rail, the employee shall be entitled to reimbursement of rail fare by the entitled class or the actual expenses incurred by him, whichever is less.

(2) In exceptional cases in which the controlling officer may permit an employee to undertake journey by road between places connected by rail, the employee shall be entitled to reimbursement of road mileage as per regulation 8.

8. Mileage allowance:—(1) An employee shall be entitled to mileage allowance for journeys performed by road at the rates to be determined as per regulation 3.

(2) While proceeding on tour and returning therefrom, an employee shall be entitled to mileage allowance under sub-regulation (1) for journey between his residence or place of halt to railway station or airport, as the case may be, if he is not provided conveyance at the expense of the Authority for such journey :

Provided that the controlling officer may, for reasons to be recorded in writing, sanction reimbursement of actual expenditure incurred, with a view to avoid hardship to the individual concerned.

(3) During the halt on tour the employee shall be entitled to the reimbursement of expenses actually incurred by him on conveyance for official journeys at the place of halt, in case no official conveyance is provided to him, subject to a maximum of Rs. 100 at any one station, at any one time for a continuous halt not exceeding 7 days. The limit of Rs. 100 may be relaxed in exceptional cases by the chairman upto Rs. 200. The limit of Rs. 100-200, as the case may be, can be increased proportionately when stay at out-station is longer than 7 days.

9. Daily allowance:—(1) In addition to the rail fare, air fare and road mileage as per regulations 5, 6 and 8 respectively, an employee shall be entitled to daily allowance for the entire absence from headquarters starting with departure from and ending with arrival at the headquarters to cover both on the way expenses as well as expenses for halt at out station.

(2) Full daily allowance shall be admissible for each completed calendar day of absence reckoned from mid-night to mid-night. For absence from the Headquarters for less

than 24 hours, the daily allowance shall be admissible at the following rates, namely:—

- |   |      |
|---|------|
| (i) If the absence from Hqrs. does not exceed 6 hours.                        | 3%   |
| (ii) If the absence from Hqrs. exceeds 6 hours, but does not exceed 12 hours. | 50%  |
| (iii) If the absence from Hqrs. exceeds 12 hours.                             | Full |

In case the period of absence from headquarters falls on two calendar days, it shall be reckoned as two days and daily allowance calculated for each as above. Similarly, daily allowance for days of departure from and arrival at Headquarters shall also be regulated accordingly.

(3) The rates of daily allowance shall be determined as per regulation 3.

(4) The entitlement to daily allowance in the following circumstances shall be determined as under:—

- |   |                         |
|---|-------------------------|
| (i) When employee is provided free board and lodging. | 1/4 of daily allowance. |
| (ii) When he is provided with free board.             | 1/2 of daily allowance. |
| (iii) When he is provided with only free lodging.     | 3/4 of daily allowance. |

(5) For the time spent during the journey, daily allowance shall be admissible only at the ordinary rates. If the time involves stay at station for which higher rates of daily allowance are admissible, daily allowance shall be paid for the period of halt at such stations calculated as per sub-regulation (4) at the higher rate applicable to those stations. The daily allowance for the remaining period shall be admissible at ordinary rates.

(6) Full daily allowance shall be admissible for 30 days whether on temporary transfer or on tour for stay at one station and thereafter at half rates with the sanction of the Chairman or any Member or officer authorised by the Chairman in this behalf. No daily allowance shall be admissible beyond 90 days. Chairman may, however, in cases of employees sent on courses of instructions and training allow the payment of daily allowance at half the rate beyond 90 days for a period of 180 days for reasons to be recorded in writing.

10. Travelling allowance on transfer:—An employee shall be entitled to draw travelling allowance on transfer from one station to another, if he is transferred by the Authority otherwise than on his own request.

11. Journey on transfer:—(1) An employee shall be entitled to draw actual fare by the entitled class of rail or other means of transport admissible to him as on tour for himself and for his family.

(2) An employee travelling by air on transfer if he is authorised to travel on tour by air, is entitled to draw the air fare actually paid for himself and the members of his family.

(3) An employee shall also be entitled to draw for the period of journey daily allowance as on tour for himself and each member of his family. Daily allowance for children below 12 years shall be payable at half of the usual rates.

(4) An employee shall be entitled to draw the actual cost of transportation by train or other means of transport for carriage of personal effects upto the following maxima, namely:—

Grade of employee	If not possessing family	If possessing family
Rs. 1000 or more	2000 Kg.	Full wagon
Rs. 650 but below Rs. 1000	1000 Kg.	3000 Kg.
Rs. 330 but below Rs. 650	750 Kg.	1500 Kg.
Below Rs. 330	250 Kg.	600 Kg.

Provided that the Chairman may, in special cases, for reasons to be recorded, relax the scale.

(5) An employee shall be entitled to draw the actual cost of transporting his conveyance at owner's risk at the following scales, provided that:—

- the distance travelled exceeds 150 kms.
- the employee is travelling to join a post in which the possession of conveyance is advantageous from the point of view of his efficiency; and
- conveyance is actually carried by rail or other means of transport.

Grade of the employee	Scale allowed
pay Rs. 650 & more	one motor car/or motor cycle/scooter or cycle.
pay Rs. 330 & more	one motor cycle/scooter or cycle.
other employees	one ordinary cycle.

When an employee is authorised to carry his motor car or motor cycle/scooter by rail, he may do so by passenger train or goods train at his option. In the former case, the actual freight charged by the railway may be drawn by the employee and in the latter case i.e. if the motor car or motor cycle or scooter is despatched by goods train, the employee may draw, in addition to the freight charged by the railway, the cost of the packing and of transporting the packed motor car or motor cycle or scooter to and from the goods shed and the station of departure and arrival, provided that the total amount as drawn shall not exceed the freight charged by the railway for transporting the car or motor cycle by passenger train.

(6) For the transportation of personal effects within the limit prescribed in sub-regulation (4), he shall be entitled to draw the actual cost of carriage by passenger train upto a limit of the amount which would have been admissible had he taken the maximum number of Kgs. by goods train. If an employee carries his personal effects by road or air between stations connected by rail he shall be entitled to draw actual expenses upto the limit of the amount which would have been admissible had he taken the maximum quantity admissible by goods train.

(7) An employee on transfer shall be entitled to draw lump-sum transfer grant to be determined under regulation 3.

12. Travelling allowance for journeys during suspension or to give evidence or to attend a court of law or in connection with disciplinary proceedings.—(1) An employee under suspension who is required to perform journey to attend a departmental enquiry (other than police enquiry), may be allowed travelling allowance as for a journey on tour from the headquarters to the place where the departmental enquiry is held or from the place at which he has been permitted to reside during suspension to the place of enquiry, whichever is less. Travelling allowance in such cases shall be regulated by the grade to which the employee belonged prior to his suspension. No travelling allowance shall, however, be admissible if the enquiry is held at an out-station at his own request.

(2) The following provision shall apply to any employee who is summoned to give evidence, namely:

- In a criminal case, a case before a court martial, a civil case to which the Authority is a party or a departmental enquiry held by a properly constituted authority, he shall be entitled to draw travelling allowance as for a journey on tour attaching to his bill a certificate of attendance given by the court or other authority which summoned him, provided that the facts as to which the employee is to give evidence have come to his knowledge in the discharge of his official duties.
- When he draws such travelling allowance, he may not accept any payment of his expenses from the court or any other authority.
- If the court in which he has given evidence is situated in the headquarters city of the employee and no

travelling allowance is admissible for the journey, he may, if he be not in receipt of permanent travelling allowance, accept such payment of actual travelling expenses as the court may make.

- (d) An employee of the Authority summoned to give evidence while on leave is entitled to travelling allowance under this regulation from and to the place from he is summoned, as if he was on duty.

(3) For journeys undertaken to out-station to peruse official records for the preparation of the defence in connection with disciplinary proceedings instituted against the employee, the employee shall be entitled to travelling allowance as for a journey on tour without any allowance for halts.

In case the employee involved in the disciplinary proceedings is fully exonerated, the allowance for halt shall be payable to him.

(4) The defence assistant who has been permitted to assist the delinquent in disciplinary proceedings shall, however, be entitled to travelling allowance on tour and also the allowance for halt as admissible for journey on tour.

13. Transfer travelling allowance on retirement/death :—  
(1) Transfer travelling allowance including transfer grant and incidentals shall be admissible to a retiring employee on the same rate as for a serving employee on transfer. If the possession of a conveyance by the employee while in service of the Authority was considered to be in the public interest, necessary facilities for its transportation to the selected place of residence should also be provided on retirement of the employee. A retiring employee has the freedom to settle down in a station of his choice and the transfer travelling allowance shall be admissible to him accordingly subject to the above being limited to what would have been admissible to him had he proceeded to his declared home town.

(2) The above concession shall also be admissible to the family of an employee who dies while in the service of the Authority.

14. Submission of claims:—The right of an employee to travelling allowance including daily allowance is forfeited or deemed to have been relinquished, if the claim is not preferred within one year from the date of completion of the journey, to which it relates.

15. Amount of advance:—(1) An advance of travelling allowance may be sanctioned by the controlling officer but it shall not exceed the amount of travelling allowance to which an employee may be entitled to in consequence of his tour or transfer.

(2) Ordinarily a second advance shall not be sanctioned to an employee until an account has been given of the first advance.

16. Reimbursement of conveyance charges to employees at their headquarters including temporary duty stations :—For journeys at the headquarters including temporary duty stations, mileage allowance as under regulation 8 shall be admissible. However, the controlling officer may, for reasons to be recorded in writing, sanction the reimbursement of actual expenditure incurred with a view to avoid hardship to the individual concerned.

17. Conveyance allowance:—The Authority may allow, on such conditions as it may think fit, a monthly specified conveyance allowance to an employee or a category of employees whose duties require extensive travel at the headquarters. Such an allowance shall be in lieu of all other travelling allowance for journeys at the headquarters city.

18. Interpretation:—If any question arises relating to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Chairman who shall decide the same.

19. Contingencies not covered by these regulations.—In case of any contingency not covered by these regulations, claims may be settled on the basis of corresponding orders of the Central Government.

B. S. DAS, Chairman

